# हिंदी भवन संदेश

( हिंदी प्रचारिणी सभा का सूचना-पत्र )
लोंग माउंटेन – मॉरीशस
Website : hindipracharinisabha.com
E.Mail: hindipracharinisabhamu@gmail.com

NEWSLETTER

भाषा गई तो संस्कृति गई

YEAR: 15 ISSUE: 35 June 2022 *Published by: Hindi Pracharini Sabha - Long Mountain, Mauritius* ISSN 1694-3481

## ✍ संपादकीय

### बैठकाओं की स्थिति सोचनीय !

आज बैठका अर्थात सायंकालीन व सप्ताहांत पाठशालाओं की स्थिति पर विचार करना अनिवार्य हो गया है । कोविद-19 की महामारी के आने से शिक्षा-क्षेत्र काफ़ी प्रभावित हुआ है । हिंदी का पठन-पाठन कुछ ज्यादा ही प्रभावित हुआ दीख रहा है । पूरे मॉरीशस में बैठकाओं की संख्या दिनों-दिन घटती जा रही है । अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य को लेकर काफ़ी चिंतित हैं । वे हिंदी भाषा व धर्म-संस्कृति को उतना महत्त्व न देकर अपने बच्चों की भावी-नौकरी व आजीविका पाने की इच्छा से अंग्रेज़ी-फ्रेंच की ओर ज़्यादा ध्यान दे रहे हैं ।

हिंदी भाषा से नौकरी की संभावना कम तो है पर हमें यह भी ध्यान में रखना चाहिए कि "भाषा गई तो संस्कृति गई ।" आज के दौर में अभिभावक को इतना समय कहाँ कि वे अपने बच्चों के पास बैठकर धर्म-संस्कृति की बात करे । पर अगर बच्चे हिंदी प्रचारिणी सभा द्वारा आयोजित परीक्षाओं की तैयारी करें अथवा भाग लें तो इससे एक पंथ दो काज होने की संभावना हो सकती है । एक तो परीक्षाओं का प्रमाण-पत्र प्राप्त होगा, जो कभी भी काम आ सकता है और फिर बच्चे अपने धर्म-संस्कृति की अच्छी जानकारी प्राप्त कर पाएँगे । यहाँ के पाठ्यक्रम में ये सब बातें सन्निहित है । छात्र मानव मूल्य की शिक्षा, अनुशासन की बातें, ज्ञान की बातें. आदर्श विद्यार्थी-जीवन, गुरु-महिमा, पर्व -त्योहार आदि से संबंधित बातें सीख सकेंगे । आज छात्रों में इन सब बातों की कमी महसूस की जा रही है ।

अभिभावकों तथा शिक्षकों से हमारा निवेदन है कि आप इन बातों पर सोच-विचार करें और अपने बच्चों के अच्छे भविष्य व अच्छे संस्कार की कामना करते हुए सही कदम उठाएँ । हमारे पूर्वज़ों द्वारा खून-पसीने से बोया व सींचा गया हिंदी भाषा का बीज आज फूल-फल रहा है, हमें इसे नाहक में नहीं गँवाना चाहिए । बैठका को भी हमें अपने पूर्वज़ों की धरोहर माननी होगी ।

*यंतुदेव बुधु*
*प्रधान-हिंदी प्रचारिणी सभा*

## संवाद उत्सव

बुधवार 23 मार्च 2022 को विश्व हिंदी सचिवालय द्वारा, तृतीयक शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारतीय उच्चायोग के संयुक्त तत्वावधान में तथा कला एवं सांस्कृतिक धरोहर मंत्रालय के सहयोग से एक 'संवाद उत्सव' के कार्यक्रम का आयोजन हुआ था ।

इस उत्सव में पूरे मॉरीशस से बारह बैठकाओं के छात्र सम्मिलित हुए । हर्ष की बात है कि हिंदी प्रचारिणी सभा विद्यालय से भी छात्रों ने भाग लिया जिन्हें यहाँ की शिक्षिका श्रीमती आरती सलाबी ने तैयार किया था, जिनमें वोरिका रविणा रामशरण, तृष्णा भट्टू तथा वेदांश हलकोरी रहे । प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ । इस सराहनीय कार्य के लिए अध्यापिका को सभा की ओर से बधाई । इस उत्सव में भारतीय उच्चायुक्त श्रीमती नंदिनी सिंघला, भूमि, परिवहन व विदेश मंत्री माननीय अलान गन्नू तथा कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे ।

## भावभीनी श्रद्धांजलि

हिंदी प्रचारिणी सभा के वर्तमान कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री परमेश्वर बिहारी का निधन 27 अप्रैल 2022 को हुआ । इस खबर से हम सभी शोकाकुल हुए । सभा की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। उन्हें सद्गति प्राप्त हो । बिहारी जी के परिवार को ईश्वर सहनशक्ति प्रदान करें ।

## हिंदी भवन में धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम

संस्कृति की सुरक्षा हिंदी प्रचारिणी सभा के उद्देश्यों में से एक है । इस बात को ध्यान में रखते हुए सभा त्योहारों के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है । होली त्योहार के उपलक्ष्य पर 17 मार्च 2022 की शाम को चौताल गान का आयोजन किया गया जो बायाश लोंग माउंटेन काली माई टोली द्वारा सकुशल सम्पन्न हुआ ।

इसी तरह राम नवमी के उपलक्ष्य में 12 अप्रैल 2022 को

दिन में नौ बजे लोंग माउंटेन के नीलकंठनाथ शिवालय रामायण परिवार द्वारा हिंदी भवन के सभागार में सुंदर कांड का परायण बहुत ही भक्ति भाव से सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम का शुभारम्भ आचार्य कुंजल जी द्वारा यज्ञ से हुआ ।

कार्यकारिणी समिति के सदस्य तथा गाँव के लोगों ने कोविद 19 के प्रोटोकोल का पालन करते हुए इसमें भाग लिया । इस सफ़ल आयोजन के लिए हम सभा के सदस्य श्री गीताहरि रामशरण जी तथा इन दोनों टोलियों को हार्दिक धन्यवाद समर्पित करते हैं ।

पढ़िए सभा द्वारा प्रकाशित
'पंकज' पत्रिका
पूर्वकर्मठ सदस्य विशेषांक
(अंक - मार्च 2022 )
हिंदी भवन में उपलब्ध है ।

आगामी अंक के प्रकाशन हेतु
रचनाएँ आमंत्रित है ।

## पुरस्कार-वितरण समारोह

रविवार 20 मार्च को हिंदी प्रचारिणी सभा के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में एक पुरस्कार-वितरण समारोह का आयोजन हुआ । इस आयोजन में भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव श्रीमती सुनीता पाहुजा मुख्य अतिथि तथा विश्व हिंदी सचिवालय की उपसचिव डॉ. माधुरी रामधारी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित थीं । इलाके की सांसद माननीया श्रीमती सुभाशिनी लक्ष्मण रॉय भी उपस्थित रहीं । सभा के सदस्यों के साथ-साथ शिक्षकों, छात्रों तथा अभिभावकों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया । इस दौरान साल 2021 में आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं, छठी कक्षा में आनेवाले प्रथम दस छात्रों तथा प्रवेशिका परीक्षा में प्रथम दस में स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कृत किया गया ।

यह उल्लेखनीय है कि कई वर्षों से निबंध प्रतियोगिता का आयोजन विश्व हिंदी सचिवालय के सहयोग से होता आ रहा है । सभी उपस्थित महानुभावों ने विजेताओं को बधाई दी तथा हिंदी भाषा के महत्त्व तथा संस्कृति की सुरक्षा पर बल दिया । हाल में कार्यकारिणी समिति द्वारा नियुक्त हुए सभा के मान्य प्रधान श्री भोलानाथ शम्भु जी का डॉ. जयचन्द लालबिहारी ने स्वागत किया । भारतीय उच्चायोग की द्वितीय सचिव श्रीमती सुनीता पाहुजा ने पुस्तकालय के लिए सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु को कुछ पुस्तकें प्रदान कीं । इसी अवसर पर सभा द्वारा प्रकाशित पंकज पत्रिका के नए अंक का लाकार्पण भी हुआ । विजेताओं के नाम इस प्रकार हैं-

| **(छठी कक्षा)** | **(प्रवेशिका)** |
|---|---|
| 1. तोमास नायिसता | 1. रामदानी यशना |
| 2. सुंदर सिजय | 2. बिसू तानिष्का |
| 2. धनुकचन्द उर्वशी | 3. सेरवनसिंह राजकुमारी |
| 2. जादव वरूण | 4. नन्दलाल कुजा |
| 5. रामदानी यशना | 4. लच्छू निर्मल |
| 6. मुसाई विधि | 5. लालबिहारी उर्वशी |
| 6. शिवसन यशनेल | 6. घुंदी सारस |
| 6. गोपोल योहन | 7. खिदू योशी |
| 9. मोहिपत प्रणव | 7. तिवारी आशुतोष |
| 10. भोयरू श्रीयश | 8. तेकमान भव्यता |

**- निबंध प्रतियोगिता के विजेता -**

**प्राथमिक** 1. कावल भावना 2. हरदोयाल हेमाक्षी 3.मोहन हर्षिणी

**माध्यमिक** 1. बाबुआ सेविश 2. कावल उर्वशी 3. लखन रेशव

## प्रवेशिका परीक्षा

कोविद-19 महामारी के कारण परीक्षाओं के आयोजन में विलंब हुआ । वर्ष 2021 में होनेवाली प्रवेशिका परीक्षा इसी कारणवश नहीं हो पाई । बच्चों की भलाई को ध्यान में रखते हुए, सभा उचित अवसर देखकर परीक्षाओं का आयोजन कर रही है । 5 मार्च 2022 को मॉरीशस के पाँच केंद्रों में प्रवेशिका परीक्षा हो पाई । परीक्षा के पश्चात् कोविद-19 प्रोटोकोल का पालन करते हुए अंकन कार्य भी सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

इस परीक्षा मे कुल 328 छात्रों ने भाग लिया, और सफलता की दर 75 प्रतिशत रही । 20 मार्च 2022 को प्रथम दस में स्थान प्राप्त छात्रों को पुरस्कृत भी कर दिया गया ।

---

## रेडियो प्रोग्राम

रेडियो पर हिंदी संगठन द्वारा आयोजित 'ज्ञान सरोवर' कार्यक्रम में हिंदी प्रचारिणी सभा की सचिव श्रीमती रोहिणी रामरूप, उप-प्रधान डॉ. जयचन्द लालबिहारी तथा परीक्षाध्यक्ष डॉ. हेमराज सुंदर ने भाग लिया । मंत्री जी ने हिंदी प्रचारिणी सभा के चुनाव के बाद गठित नई कार्यकारिणी समिति के बारे में बात की । इस कार्यक्रम के माध्यम से मंत्री जी ने सभा की गतिविधियों तथा नई योजनाओं के बारे में जानकारी दी । हिंदी प्रचारिणी सभा से संबद्ध बैठकाओं के बारे में भी चर्चा हुई । छात्रों की घटती संख्या तथा शिक्षकों के प्रशिक्षण और अभिभावकों को हिंदी भाषा की ओर प्रेरित करने का विचार भी रखा गया ।

## आवश्यक सूचना

छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को सूचित किया जाता है कि सम्मेलन की परीक्षाएँ (परिचय से उत्तमा तक), अगर कोई अड़चन पैदा न हो तो इस वर्ष 2022 के अगस्त महीने के प्रथम सप्ताह में होने की संभावना है ।

## साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्था-मुंबई

ता.10 मई 2022 को मुंबई से आए हुए साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्था के 28 प्रतिनिधियों का हिंदी भवन के सुरुज प्रसाद मंगर भगत सभागार में स्वागत किया गया । इस प्रतिनिधि मंडल में एक से बढ़कर एक विद्वान, गायक तथा कलाकार शामिल थे । यह संस्था "राम-कथा की विश्व यात्रा" के अंतर्गत मॉरीशस पधारे । सभा-भवन में उनके द्वारा एक भव्य कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई, जिनमें प्रार्थना, गीत, कविता, नृत्य आदि शामिल था ।

सभा के प्रधान ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मॉरीशस रामायण का देश है । यहाँ बालक के जन्म से लेकर मृत्यु तक रामायण के दोहे-चौपाइयाँ गाई जाती हैं । हर घर में रामायण-ग्रन्थ पाया व पूजा जाता है । सभा के कई अन्य सदस्यों ने राम कथा पर अपन-अपना विचार दिया ।

साहित्यिक सांस्कृतिक शोध संस्था के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि वे रामायण-अंसायकोपिडिया के पचपन भागों के निर्माण में लगे हुए हैं । प्रथम भाग पूरा हुआ है, जिसकी एक प्रति सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु को प्रो. प्रदीप जी ने मॉरीशस के मनीषा होटल में आयोजित एक सांस्कृतिक संध्या एवं सम्मान समारोह के दौरान भेंट की ।

प्रो. प्रदीप कुमार सिंह कई बार मॉरीशस पधार चुके हैं । पर इस बार उन्हें मॉरीशस के प्रधान मंत्री माननीय प्रवीण कुमार जगनाथ तथा मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री पृथ्वीराजसिंह रूपण से मिलने का भी सुअवसर प्राप्त हुआ, जिन्हें उन्होंने रामायण-अंसायकोपिडिया की एक-एक प्रति प्रदान की ।

## आभार

सरकार ने पिछले बजट में बैठकाओं के भत्ते में हज़ार रुपये की बढ़ोतरी का ऐलान किया है । इससे युवाओं को हिंदी सीखने-सिखाने का प्रोत्साहन ज़रूर प्राप्त होगा । हिंदी प्रचारिणी सभा सरकार के प्रति आभारी है ।

# सभा का 96वाँ स्थापना दिवस तथा भारत की 75वीं स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव

हिंदी प्रचारिणी सभा का स्थापना दिवस तथा भारत की 75वीं स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव 18 जून 2022 को हिंदी भवन-लोंग माउंटेन में भारतीय उच्चायोग के सहयोग सम्पन्न हुआ । उत्सव के मुख्य अतिथि मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री पृथ्वीराजसिंह रूपण तथा भारतीय उच्चायुक्त श्रीमती नंदिनी सिंग्ला विशिष्ट अतिथि रहीं । इस उत्सव में कई गणमान्य अतिथि, हिंदी के विद्वान, सांस्कृतिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, शिक्षक तथा छात्रों ने भाग लिया । हिंदी भवन तथा आस-पास की बैठकाओं के छात्रों ने कवयित्री महादेवी वर्मा की कविताएँ सुनाईं, लेख तथा जीवनी पर अपने-अपने विचार भी दिए । उनके बाद डॉ लक्ष्मी झमन ने महादेवी वर्मा पर विस्तार पूर्वक जानकारी दी । छात्रों द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया ।

सभा के प्रधान श्री यंतुदेव बुधु ने अतिथियों का स्वागत किया तथा सभा का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत करते हुए कहा कि स्थापना दिवस का मनाना एक तरह से उन पूर्वज़ों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करना है जिन्होंने देश में हिंदी का बीज बोया । उनहोंने कहा कि भारत की 75वीं स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव का मनाना हमारे लिए गर्व की बात है क्योंकि हम ऐसा समझते हैं कि हमारे रगों में भी भारतीय खून दौड़ता है । हमेशा से हिंदी भाषा, धर्म व संस्कृति के प्रचार-प्रसार में मॉरीशस को भारत से सहयोग प्राप्त होता रहा है ।

भारतीय उच्चायुक्त श्रीमती नंदिनी सिंग्ला ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए बैठकाओं के शिक्षकों को दिए जानेवाले भत्ते में वृद्धि लाने हेतु मॉरीशस सरकार के प्रति आभार प्रकट किया । उन्होंने इस बात पर खुशी ज़ाहिर की, कि इस देश में भारतीय संस्कृति जीवित है । वे आगे बोलीं कि बैठकाओं की स्थापना से ही हिंदी की बुनियाद सुदृढ़ हुई और आज यह भाषा आगे बढ़ रही है। बैठकैओं में पढ़ाई के साथ योग विद्या तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी जोड़ने की सलाह दी। उन्होंने सभा के संस्थापकों के अच्छे कार्यों की प्रशंसा की तथा हिंदी भाषा को फूलने-फलने की कामना की, साथ में बच्चों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की भी प्रशंसा की ।

मॉरीशस गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री पृथ्वीराजसिंह रूपण ने अपने भाषण के दौरान कहा कि हमें अपने पूर्वज़ों की भाषा को अगली पीढी तक पहुँचानी होगी । उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि हमें हिंदी के साथ-साथ भोजपुरी भाषा को भी बढ़ावा देना होगा । उन्होंने सभा की हस्तलिखित दुर्गा पत्रिका के बारे में भी बात की और बताया कि इसके ऐतिहासिक मूल्यों को बचाए रखना चाहिए तथा इसे अंकीकृत करना चाहिए । अंत में डॉ. दीपक तथा डॉ. नूतन पांडे जी द्वारा लिखित "मॉरीशस की बहुमुखी साहित्यकार- कल्पना लालजी" पुस्तक का लाकार्पण हुआ । कार्यक्रम की समाप्ति के उपरान्त हमारे मुख्य और विशिष्ट अतिथियों ने सभा के नेमनारायण गुप्त पुस्तकालय में हस्तलिखित दुर्गा पत्रिका के मौलिक प्रति तथा अन्य दस्तावेज़ के दर्शन किए । इसपर उनका विचार रहा कि इन दुर्लभ और मौलिक ग्रन्थों को भी अंकीकृत करना आवश्यक है ।

यह कार्यक्रम फेसबुक पर सीधा प्रसारण हो रहा था जिसका आनंद पूरे विश्व के हिंदी प्रेमियों वे लिया । कोविद-19 के प्रोटोकोल के नियमों का पालन करते हुए स्थापना दिवस का आयोजन हुआ था । कार्यक्रम का संचालन सभा की सचिव श्रीमती रोहिणी रामरूप कर रही थी ।